अमृत वाणी

दरिद्रता धीरता से सुशोभित होती है।

– चाणक्य

संपादकीय

भ्रष्टाचार का कलंक

लंबे अरसे के बाद बस्तरवासियों की एक बहुप्रतीक्षित अरमान पूरी हो पाई है और उन्हें एक बहुमूल्य धरोहर के रुप में मिला है नगरनार स्टील प्लांट। वह इसलिए क्योंकि दशकों से बस्तर की धरती से बहुमूल्य लौह अयस्क केवल अन्यत्र ले जाया जाता रहा है। बस्तरवासी हमेशा यहां एक स्टील प्लांट के स्थापना की मांग करते रहे हैं ताकि यहां का यह बहुमूल्य खनिज बस्तर में ही उपयोग हो। अंतत: लंबे अरसे के बाद जब उन्हें अपना सपना साकार होता सा नजर आया तब उन्होंने स्वत: स्फूर्त रुप से उसके लिए हर संभव सहयोग भी दिया। स्वाभाविक रुप से इस स्टील प्लांट का बनकर तैयार हो जाना बस्तरवासियो के लिए कम गौरव की बात नही है लेकिन ऐसे मौके पर जब यह सयंत्र निर्मित सामग्री बाहर भेजने की तैयारी में जोर शोर से लगा है, सयंत्र में कार्यरत रहे कतिपय शीर्ष अधिकारियों पर रिश्वतखोरी का कलंक लग जाना बस्तर के लिए एक बड़ा भारी आघात से कम नहीं है।

लोकसभा चुनाव से पूर्व कतिपय कंपनियों व्दारा करोड़ों रुपये के चुनावी बॉन्ड खरीदे जाने को लेकर देश में कुछ समय से भारी हलचल मचा हुआ है। देश के सर्वोच्च न्यायालय के दबाव में उन सारी बड़ी कंपनियों के नाम उजागर हुए हैं जिन्होंने विभिन्न राजनैतिक दलों के लिए करोड़ों के चुनावी बॉन्ड खरीदे हैं। उन्हीं में से एक नाम है मेघा इंजीनियरिंग कंपनी का जिसने कुल 966 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड खरीदे है। यहां तक तो फिर भी ठीक था मगर कौन जानता था कि इस कंपनी के किसी अवैध कारनामे का तार नगरनार स्टील प्लांट से जुड़ जायगा और बस्तर का यह गौरव अपने उत्पादन के कीर्तिमानों के व्दारा देश में नाम कमाने से पहले भ्रष्टाचार के काले दाग की वजह से सर्वत्र चर्चित होने लगेगा।

जैसा कि बताया गया है कि इस मेघा इंजीनियरिंग ने अपने 174 करोड़ रुपये के बिल स्वीकृत कराने के लिए प्लांट के कतिपय शीर्ष अधिकारियों को कथित तौर पर लगभग 78 लाख रुपये की रिश्वत दी जिनमें एन आई एएस पी और एन एम डी सी के आठ अधिकारी और मेकॉन के दो बड़े अधिकारी शामिल है। इन सभी अधिकारियों के खिलाफ एफ आइ आर दर्ज कर लिया गया है। अब कानून अपना काम तो करेगा ही मगर दुख इस बात का है कि इनके काले कारनामों का दाग सयंत्र की प्रतिष्ठा पर भी लगा है। हैरत इस बात पर होती है कि भारी भरकम वेतन पाने के बावजूद ऐसे लोग अपने लालच पर नियंत्रण नही रख पाते लेकिन वे शायद यह भूल जाते है कि कर्मो का फल भुगतने का समय जब आता है तब उससे बचने का कोई राह नही मिलता।

नारा चार सौ पार का, सामना बहिष्कार का

देश में चुनावी सरगर्मियां अपने चरम पर हैं। सत्ताधारी भाजपा जहाँ अब की बार चार सौ पार के नारे के साथ विपक्ष पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालने की कोशिश कर रही है वहीं संयुक्त विपक्ष इण्डिया गठबंधनश् भाजपा की सत्ता में वापसी रोकने के लिये एड़ी छोटी का ज़ोर लगाये हुये है। सत्ता व विपक्ष के बीच हो रहे इस चुनावी दंगल से इतर विभिन्न राज्यों से यह ख़बरें भी आ रही हैं कि आम नागरिकों द्वारा इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों का न केवल बहिष्कार किया जा रहा है बल्कि कई जगह तो हिंसक विरोध से लेकर भाजपा प्रत्याशियों के विरुद्ध प्रदर्शन तक किये जा रहे हैं । कई जगह तो ग्राम वासियों ने बाक़ायदा बहिष्कार व चेतावनी सम्बन्धी साइन बोर्ड भी लगा दिये हैं। तो क्या हरियाणाएपंजाबएउत्तर प्रदेश व उत्तरांचल सहित कई अन्य राज्यों में हो रहे इस तरह के बहिष्कार यह साबित नहीं करते कि भाजपा का चार सौ पार का नारा महज़ एक चुनावी शगूफ़ा है घ

अभी गत 30 मार्च को ही मुज़फ़्फ़र नगर में रात करीब साढ़े आठ बजे खतौली क्षेत्र के मढ़करीमपुर गांव में चुनावी सभा के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री डॉण् संजीव बालियान के क़ाफ़िले की गाड़ियों पर जमकर पथराव किया गया। ख़बरों के अनुसार इस पथराव में 10 से अधिक भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गये। सभास्थल के समीप की छतों से पथराव शुरू होते ही सभा में भगदड़ मच गई।समाचारों के अनुसार पथराव के साथ ही हमलावरों ने भाजपा व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉण् बालियान के विरुद्ध नारे बाज़ी भी की। इस पथराव में हमलावरों द्वारा खतौली के पूर्व विधायक विक्रम सैनी की गाड़ी को क्षति ग्रस्त कर दिया गया। भाजपा ने इस घटना को विपक्ष की साज़िश क़रार दिया है। इसी तरह गत 6 अप्रैल को जिस समय रामायण सीरियल के श्रामश् अरुण गोविल जिन्हें भाजपा ने मेरठ से पार्टी उम्मीदवार बनाया है वे स्थानीय भाजपा नेताओं के साथ प्रचार रथ पर सवार होकर रोड शो निकाल रहे उस समय जनता ने उनका जमकर विरोध किया व मुर्दाबाद के नारे लगाये। अरुण गोविल वापस जाओ.वापस जाओ के नारे भी देर तक लगाये गये। उनके रथ को स्थानीय लोगों ने जबरन रोक भी लिया। प्रदर्शनकारी भाजपा व अरुण गोविल के विरुद्ध नारेबाज़ी करते समय अपने हाथों में चुनाव बहिष्कार के पोस्टर लेकर रथ के आगे खड़े हो गये। और कई जगह चुनाव बहिष्कार के पोस्टर चिपका दिये गये। प्रदर्शनकारी महिलाएं चुनाव बहिष्कार के पोस्टर लेकर प्रचार रथ के आगे आईं और गुस्साये लोगों ने प्रचार रथ पर चढ़ने का भी प्रयास किया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश से ही भाजपा के और भी कई उम्मीदवारों के विरोध व उनके बहिष्कार की ख़बरें प्राप्त हुई हैं।

इसी तरह मेरठ से लेकर सहारनपुर तक राजपूत समाज बड़ी बड़ी पंचायतें कर भाजपा को वोट न देने और भाजपा प्रत्याशियों का विरोध करने का आह्वान कर रहा है। पश्चिम यूपी में ठाकुर चौबीसी जो पूर्व में भाजपा का साथ देती रही है उसी ठाकुर चौबीसी ने इसबार भाजपा के बहिष्कार की घोषणा कर दी है। हालांकि राजपूत समाज की नाराज़गी का कारण पश्चिमी उत्तर प्रदेश में टिकट वितरण में राजपूत समाज की अनदेखी बताया जा रहा है। राजपूत समाज गाज़ियाबाद से सांसद वीण् केण् सिंह का लोकसभा टिकट काटने के भी ख़िलाफ़ है। राजपूत उत्थान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सोम तो साफ़तौर पर घोषणा कर चुके हैं कि ष्हम भाजपा और मुज़फ़्फ़र नगर लोकसभा प्रत्याशी डॉ संजीव बालियान का खुलकर विरोध करेंगे। उनके अनुसार जब ठाकुरों को प्रतिनिधित्व ही नहीं दिया जा रहा तो राजपूत भाजपा को वोट क्यों देंघ् केवल राजपूत ही नहीं बल्कि त्यागी और सैनी जैसा इस क्षेत्र का प्रमुख समाज भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपने ष्कम प्रतिनिधित्वष् से असंतुष्ट होने की बात कर रहा है। गांव गांव इस आशय के पोस्टर लगे हैं कि श्पूरे पश्चिमी यूपी में इस बार ठाकुर भाजपा से आर पार करेंगे।ष् इसी तरह सहारनपुर. दिल्ली हाईवे पर स्थित ननौता गांव में गत 7 अप्रैल को हज़ारों की संख्या में राजपूत बिरादरी के लोग इकठ्ठा हुये। इस से भाजपा के भीतर खलबली मच गई। श्क्षत्रिय समाज की संघर्ष समितिश् की ओर से नानौता में आयोजित इस सम्मेलन को श्क्षत्रिय स्वाभिमान महाकुंभश् का नाम दिया गया जिसमें पश्चिमी यूपी के कई जिलों सहित राजस्थान और हरियाणा से भी ठाकुर समाज के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। यहाँ तक कि भीड़ ने हाइवे को भी पूरी तरह से जाम कर दिया। इस सभा में वक्ताओं का कहना था कि उनके इतिहास के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। राजनीतिक द्वेष की भावना से राजपूत समाज को कमज़ोर किया जा रहा है। इस महाकुंभ में सम्राट मिहिर भोज और लोकसभा चुनाव में टिकट बंटवारे का मुद्दा ज़ोर शोर से उठाया गया। ग़ौर तलब है कि गुर्जर और ठाकुर समाज के लोग सम्राट मिहिर भोज पर अपनी.अपनी जाति का होने का दावा करते आ रहे हैं। जिसे लेकर दोनों ही समाज में एक दूसरे के प्रति असंतोष है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और भी कई जगह इस तरह की महापंचायत करने का निर्णय लिया गया है। उत्तरांचल में अनेक लोगों ने गंगा किनारे खड़े होकर भाजपा को हारने का संकल्प लिया। उनका असंतोष अंकिता भंडारी को न्याय न मिलने और अग्निवीर योजना लागु करने को लेकर था।

हरियाणा के भी कई क्षेत्रों में न केवल भाजपा का विरोध हो रहा है बल्कि सत्ता में भाजपा की मनोहर लाल खट्टर सरकार की लगभग चार वर्षों तक सहयोगी रही जननायक जनता पार्टी ;जजपाद्ध का भी जमकर विरोध किया जा रहा है। ग्रामीण इन्हें किसान विरोधी पार्टी के रूप में देख रहे हैं। हरियाणा के जींद ज़िले के दुराना गांव के ग्रामीणों ने गांव के बाहरी इलाक़े में एक साइन बोर्ड लगाया हुआ है जिस पर स्पष्ट शब्दों में लिखा गया है कि श्बीजेपी.जेजेपी नेताओं को इस गांव में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है।श् इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला करते हैं। उन्हें भी 2020.21 में हुये किसान आंदोलन के दौरान उनके अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति किसानों ने नहीं दी थी। संयुक्त किसान मोर्चा की तरफ़से तो भारतीय जनता पार्टी के सभी उम्मीदवारों का विरोध करने का निर्णय लिया जा चुका है। ख़बरों के अनुसार इसतरह के व्यापक विरोध को देखते हुए पार्टी नेताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों के दौर भी बंद कर दिए हैं। हरियाणा के ही ग्राम पंचायत खिड़वाली में गांव के प्रवेश द्वारा पर लगे एक बोर्ड पर ग्रामवासियों ने लिखा है कि श्ग्राम पंचायत खिड़वाली बी जे पी व जे जे पी के नेताओं का बहिष्कार करती है। गांव में घुसने पर जान माल के खुद ज़िम्मेदार होंगेश। पंजाबएहरियाणा सहित और भी कई राज्यों में भाजपा के इसी तरह के खुले विरोध की ख़बरों के बीच यह ख़बर भी आ रही है कि जहाँ विरोध नहीं भी हो रहा वहां भाजपा नेताओं को सुनने के लिये भीड़ भी नहीं इकट्ठी हो रही। कई जगह पैसे देकर मज़दूरों के हाथों में भाजपा के झंडे थमा कर उन्हें रैलियों में शामिल किया जा रहा है। ऐसे हालात में यह प्रश्न उठना स्वभाविक है कि चार सौ पार का नारा देने वाली भाजपा को आख़िर इस तरह के व्यापक विरोध व बहिष्कार का सामना क्यों करना पड़ रहा है ।

निर्मल रानी

(ये लेखक के अपने विचार है)

इस गंभीर मसले से सही तरीके से निपटना जरुरी

हाल ही में नाबालिग बच्चियों और एक महिला को पुलिस ने मानव तस्करों के गैंग से मुक्त कराया। घटना उत्तरी पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर की है। दक्षिणी परगना (पश्चिमी बंगाल) की 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के लापता होने की प. बंगाल पुलिस तहकीकात कर रही थी, तब उन्हें सूचना मिली कि लड़की दिल्ली में है। उन्होंने दिल्ली पुलिस से सहायता मांगी। जांच में पता चला कि नाबालिग शाहदरा या उत्तर पूर्व दिल्ली में है। छानबीन में पता चला कि मंजली बीवी और उसका पति हसन इस तस्कर गिरोह के सरगना हैं।

इससे पूर्व सीबीआई ने तीन ऐसे नवजात शिशुओं को तस्करों से दिल्ली में मुक्त कराया जो पैदा ही हुए थे और उन्हें बेचने वाले सामने आए। इनमें से दो बच्चे डेढ़ दिन, तीसरा 15 दिन का था और लड़की एक महीने की थी। इसमें सीबीआई ने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर और पंजाब में छापे मारे। इन तहकीकात से पता चला कि अस्पतालों के कर्मचारी, बिचौलियों और तस्करों का जाल बिछा हुआ है। तस्करों के इन सरगनाओं की भी गिरफ्तारी हुई, जिसमें पुलिस को पता चला कि नीरज सोनीपत हरियाणा और इंदु पवार दिल्ली के पश्चिम विहार के रहने वाले हैं।

उनका एक गिरफ्तार साथी असलम पटेल नगर का है। सीबीआई के सूत्रों के अनुसार मालवीय नगर की अंजली, जो खरीदार की जानकारी देती थी, को भी गिरफ्तार किया गया। तीन और महिलाओं पूजा कश्यप, ऋतु और कविता को भी गिरफ्तार किया गया। इन महिलाओं का काम होता था कि खरीदे हुए बच्चों का तब तक रख-रखाव करना, जब तक बच्चों के खरीदार न मिल जाएं। बच्चों के व्यापार में ऐसे भी लोग पाए गए, जिनकी संतान नहीं है, वे गोद लेने के लिए प्रयास करते हैं। सीबीआई के अनुसार छापेमारी में पता चला कि एक बच्चे की कीमत पांच लाख रुपये तक दी गई। सीबीआई ने उत्तर पश्चिम दिल्ली केशवपुरम से दो बच्चों को छुड़ाया। मानव तस्करों के पास सभी फर्जी कागजात को तैयार करने के तरीके थे।

वे गोद लेने के पेपर भी फर्जी बनाते थे। सीबीआई ने उन माता-पिताओं को भी ढूंढा है, जिनके बच्चे चोरी हुए थे, फिर चोरी किए बच्चों को असली माता-पिताओं के हवाले कर दिया। सीबीआई देश के कृत्रिम गर्भाधान केंद्रों पर भी नजर रखे हुई थी, इस अभियान में जयपुर में भी रेड डाली गई थी, वहां पर आरती नाम की महिला पैदा हुए बच्चों के व्यापार में संलग्न थी, एक दिन का बच्चा भी उसके पास था। यह बच्चों के व्यापारी पहले नवजात शिशुओं को इकट्ठा करते थे, उसके बाद जरूरतबंद लोगों को खोजते थे। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार हर वर्ष 40 हजार बच्चों का अपहरण किया जाता है, जिनमें 11 हजार का कोई पता नहीं चल पाता। बाल तस्करी के पीछे कुछ मूल कारण हैं-गरीबी, शिक्षा की कमी और अपने परिवार को आर्थिक रूप से मदद करने की जरूरत। दूसरी ओर सरकार तस्करी के उन्मूलन के लिए न्यूनतम मानकों को पूरा नहीं करती, केवल प्रयासभर ही चल रहे हैं।

देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर केंद्र सरकार की नीतिगत निगरानी के साथ, तस्करी विरोधी प्रयासों की प्राथमिक जिम्मेदारी थी। इन प्रयासों में मानव तस्करी के अधिक मामलों की जांच करना, कई तस्करी मामलों पर विदेशी सरकारों के साथ सहयोग करना और बंधुआ मजदूरी के लिए अधिक तस्करों को दोषी ठहराना शामिल था। राष्ट्रीय महिला आयोग ने मानव तस्करी विरोधी इकाइयों की क्षमता बनाने के लिए एक नई तस्करी विरोधी इकाई शुरू की। सरकार ने तस्करी सहित अपराध के शिकार बच्चों के लिए सुरक्षा सेवाओं के राज्य और क्षेत्र विस्तार का समर्थन करने के लिए एक नये कार्यक्रम को मंजूरी दी जो सही ढंग से कार्य नहीं कर रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार दर्ज किए गए मामालों की संख्या के आधार पर सबसे अधिक मानव तस्करी की घटनाओं वाले शीर्ष तीन राज्य पश्चिम बंगाल, राजस्थान और गुजरात हैं। अपराध दर के आधार पर सबसे अधिक मानव तस्करी की घटनाओं वाले राज्यों में प. बंगाल सबसे आगे है। ध्यान देने की आवश्यकता है कि हमारी सरकारी एजेंसिया कितनी तेजी से अपराधों को पकड़ने में सहायक होती हैं। सामाजिक सुरक्षा एक प्रमुख मुद्दा है। किसी देश की पहचान इसी के आधार पर आंकी जाती है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों का दायिव है कि इस गंभीर मसले से सही तरीके से निपटें, क्योंकि बगैर इसके हम बहुत सारे नौनिहालों को बलि की बेदी पर बिठा रहे हैं।

भगवती प्र. डोभाल

(ये लेखक के अपने विचार है)

राज-काज

आतंकवाद के प्रति सटीक और तत्काल निर्णय जरूरी

भारत सीमा पार से होने वाले किसी भी आतंकवादी कृत्य का जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने यह प्रतिबद्धता दोहराई है। विदेश मंत्री शुक्रवार को 'यह भारत क्यों मायने रखता है- युवाओं के लिए अवसर और वैश्विक परिदृश्य में भागीदारी' विषय पर बोल रहे थे। 2008 में हुए मुंबई हमलों का जवाब देने को लेकर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी संप्रग सरकार पर निशाना साधने हुए उन्होंने कहा कि काफी चर्चा के बावजूद कोई सार्थक परिणाम नहीं निकला। उन्होंने माना पाकिस्तान पर हमला करने की कीमत उस पर हमला न करने से अधिक होगी।2014 में आतंकवाद की शुरुआत नहीं हुई, यह मुंबई हमले के साथ नहीं हुई, बल्कि यह 1947 में हो चुकी थी। उन्होंने कश्मीर हमले को आतंकवादी कृत्य माना। शिवशंकर ने कहा कि वे गांव और शहर जला रहे थे, लोगों की नृशंस हत्या कर रहे थे। 2014 के बाद भारत की विदेश नीति में आए बदलावों को लेकर उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस देश से संबंध बनाए रखना मुश्किल है, वह है पाकिस्तान है।

एजेंसियों के छापों से बॉन्ड वसूली

अभी जब तक यह पता नहीं चलता है कि किस कंपनी ने किस पार्टी को कितना चंदा दिया है तब तक इसे संयोग ही मानें कि चुनावी बॉन्ड खरीदने वाली पांच सबसे बड़ी कंपनियों में से तीन के यहां प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग ने छापा मारा था। इस बात को थोड़ा और विस्तार दें तो एक आंकड़ा यह है कि 12 अप्रैल 2019 से लेकर 24 जनवरी 2024 तक यानी करीब पांच साल में जिन कंपनियों ने चुनावी बॉन्ड खरीदा है उनमें से 30 सबसे बड़ी कंपनियां ऐसी हैं, जिनमें से 14 के यहां किसी न किसी केंद्रीय एजेंसियों का छापा पड़ा है या कार्रवाई शुरू हुई है। यह भी संयोग है कि कुछ कंपनियों को बड़े सरकारी ठेके मिले उससे ठीक पहले या ठीक बाद उन्होंने चुनावी बॉन्ड खरीदे। सो, जब तक सारे आंकड़े नहीं आते हैं और जब तक बॉन्ड के यूनिक कोड से मिलान नहीं हो जाता है कि किसका खरीदा बॉन्ड किसको मिला तब तक इसे संयोग मानें। लेकिन उन आंकड़ों के बगैर यह तो हकीकत है कि सबसे 50 फीसदी से ज्यादा चंदा भाजपा को मिला है तो केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के दायरे में आईं कंपनियों का भी ज्यादा चंदा उसी के खाते में गया होगा। बहरहाल, सबसे ज्यादा चुनावी बॉन्ड लॉटरी किंग के नाम से मशहूर सैंटियागो मार्टिक की कंपनी फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज ने खरीदी हैं। कंपनी ने 27 अक्टूबर 2020 से पांच अक्टूबर 2023 तक यानी तीन साल में 1,368 करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा है। इस बीच 2022 में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की थी और धन शोधन के मामले में उसकी 409 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की थी। इसी तरह सबसे ज्यादा बॉन्ड खरीदने वाली दूसरी कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड है, इसने 966 करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा है। इस कंपनी के ऊपर अक्टूबर 2019 में आयकर विभाग ने छापा मारा था। इसके बारे में एक रिपोर्ट यह भी है कि कंपनी ने महाराष्ट्र में ठाणे-बोरीवली टनल रोड का 14 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा ठेका मिलने से एक महीने पहले 140 करोड़ रुपए का चुनावी बॉन्ड खरीदा था।

हरिशंकर व्यास

(ये लेखक के अपने विचार है)

वर्ग पहेली 5344

संकेत: बाएं से दाएं

1. 28 मई 2008 को भारत के इस पड़ौसी देश ने 240 साला पुरानी राजशाही का अवसान हुआ (3)
4. विश्व में गेहूं की मंडी के नाम से विख्यात विनिपेग जाग इस देश में स्थित है (3)
7. मूल्य, दाम, मोल (3)
8. नापने का मापदंड, रूप (3)
9. आवरण या अवरोध हटाना, बंधन रहित करना (3)
10. जिसके अवयव पास-पास सट हो, सघन (2)
12. गति, चाल (3)
13. उत्कृष्ट, नितांत, पराकाष्ठात्मक (3)
14. भिन्न अर्थ वाला, अर्थहीन (3)
16. मुख्य लोगों का दरबार (5)
18. आर्द्रता युक्त, अधिक गीला (2)
19. दार्शनिक प्रणाली, राय, वोट (2)
20. गुजरात का एक प्रसिद्ध व्यंजन (3)
21. यह लेबनान की राजधानी है (3)
22. यह महर्षि परशुराम का शस्त्र है (3)

ऊपर से नीचे

1. निर्देशक केदार शर्मा ने राकेश रोशन के पिता संगीतकार रोशन को इस फिल्म (1949) में मौका दिया था (6)
2. हथेली को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
3. हमेशा लातें खाने वाला (4)
4. भ्रमादि करके धन उपार्जि करना (3)
5. तंदूर में पकाई जाने वाली मोटी खमीरी रोटी (2)
6. पोस्टऑफिस, डाकखाना (4)
11. हिंदुओं के सोलह संस्कारों में से एक जिसमें बालक का नाम रखा या स्थिर किया जाता है (5)
13. पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर (2)
14. प्राकृतिक झील, खाड़ी (3)
15. रक्त वाहिनी नली, रग (2)
17. ईश्वर का दिया हुआ धन आदि (3)
18. टौंस नामक नदी (3)
20. कड़ा, तीक्ष्ण, गधा (2)

वर्ग पहेली 5343 का हल

ज	या	ह	र	ला	ल	■	स्व
न	ह	र	■	ल	ब	रे	ज
क	■	जा	पा	न	■	व	न
सु	ना	ना	■	पा	व	ती	■
ता	न	■	कि	ल	य	■	बे
■	का	बा	■	न	■	गु	रू
अ	र	ब	■	■	ज	मा	त
र्थ	■	र	घु	नं	द	न	■

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5344

					9			6
					3	8	5	1
	6	2		1	5			
		7					6	
	2	1	9	7	6	3	8	
	3					1		
			4	5		9	7	
2	5	8	6					
4			3					

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5343

1	6	7	5	2	4	9	3	8
2	3	9	1	7	8	6	5	4
8	5	4	3	9	6	2	7	1
6	9	8	7	4	2	3	1	5
7	2	3	6	1	5	4	8	9
5	4	1	8	3	9	7	6	2
3	1	2	4	8	7	5	9	6
9	7	6	2	5	1	8	4	3
4	8	5	9	6	3	1	2	7